राम का नाम कलयुग मे अनमोल है

राम का नाम कलयुग में अनमोल है,
मुरख नर भूल जाए तो में क्या करूं.....

नर जवानी के मद में नहीं सोचता,
चार दिन में सभी रंग वो रंग डालता,
जानकर के तू गड्ढे में खुद गिर रहा,
फिर मुसीबत उठाये तो में क्या करूं,
राम का नाम कलयुग में अनमोल है.....

कुछ समय तु लगा के करे जो भजन,
छूट जाए सहज तेरा आवागमन,
लख चौरासी में तूं क्यों भटकता फिरे,
फिर यूं चक्कर लगाए तो में क्या करूं,
राम का नाम कलयुग में अनमोल है.....

लोग कहते है भगवान आते नही,
और आके वो दर्शन दिखाते नहीं,
राम के तू भजन बिन अकेला चला,
फिर समझ में न आए तो में क्या करूं,
राम का नाम कलयुग में अनमोल है.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30181/title/ram-ka-naam-kalyug-me-anmol-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |